प्रगति आख्या

वर्ष 2008–09

HIMAD Samiti

"हिमालयन सोसायटी फार अल्टरनेटिव डेवलपमेन्ट"
निकट गणेश मन्दिर, गोपेश्वर, चमोली, उत्तराखण्ड
फोन/फैक्सः 01372–253068, ई मेल– himadsamiti@gmai

http://www.SmartPDFCreator.com

बाल अधिकारों के लिए जन प्रयास

बाल अधिकारों के लिए जन प्रयास कार्यक्रम के तहत संस्था बाल अधिकारों के लिए पिछले एक दशक से जनपद चमोली के विकास खण्ड पोखरी , दशोली एवं कर्णप्रयाग में गहनता से कार्य कर रही है। पिछले वर्षो की भांति इस वर्ष भी तीनों ब्लाकों के 8 ग्राम पंचायतों के 10 गावों में बाल किशोर,महिला मंगल दल एवं जन जगठनों के साथ बाल अधिकारों को प्रभावित करने वालें कारको की पहचान एवं नीतीगत पैरवी के लिए बैठकों, जन सर्म्पक, कार्यशालाओं के माध्यम से हस्तक्षेप किया गया । वही दूसरी तरफ इस कार्यक्रम में विधालयों में नामांकन , ठहराव , दलित उपेंक्षित , बाल दुर्व्यवहार से ग्रासित बच्चों का अध्ययन एवं उनका मुख्य धारा से जुडाव, टीकाकरण , जन्म पंजीयन,जेण्डर ,एवं पंचायतों का सक्रियकरण किया गया।

उददेश्य

- कार्यक्षेत्र की समस्याओं का गहनता से अध्ययन एवं विश्लेषण करना।
- मुदा आधारित पैरवी के लिए समुदाय को सशक्त करना ।
- आधारभूत सुविधाओं की प्राप्ति के लिए समुदायिक मांग तैयार करना।
- बाल अधिकारों के लिए जन प्रयासों को मजबूती प्रदान करना।
- प्रभावी जन वकालत के लिए समुदायिक एवं जन संगठनों का नेटवर्क तैयार करना।
- मूलभूत सुविधाओं तक समुदाय की पहुच बनना।

- सामुदायिक क्षमता का विकास करना ताकि वे अपने मुददों की पैरवी स्वय करने लगें ।
- संम्पूर्ण कार्यक्षेत्र में बाल अधिकारों की स्थापना ।

http://www.SmartPDFCreator.com

परिणाम

समुदाय के साथ बार–बार सर्म्पक से संगठन सक्रिय हुये और संगठनों के द्वारा अपने अपने क्षेत्र में निम्न परिणाम प्राप्त किये जिसमें मुख्यरूप से सिलगी क्षेंत्र पिछले सालों से चली आ रही एएनएम सेन्टर भवन की मांग पूरी हुयी साथ ही राजकीय इण्टर कालेज में दो अध्यापको की नियुक्ति हुयी । कार्यक्षेत्र के सलना, नैल कुडाव , कुजाउ मैकोट में समुदाय की पहल से उपकेन्द्र में एएनएम का नियमित बैठना , धर भ्रमण करना तथा उपकेन्द्र में दवाईया एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित हुयी । सिलगी सैज मोली गांवों में मिनी आगनबाडी केन्द्र की स्थापना हुयी साथ ही कार्यक्षेत्र के अन्य आगनबाडी केन्दों में पूरक पोषाहार , बच्चों का बजन , पंजीयन एव कार्यकत्री द्वारा धर भमण किया जा रहा है।सभी गांवों में बच्चों का जन्म पंजीयन एवं जन्म प्रमाण पत्र की उपलब्ध कराये गये । वही बाल एवं किशोर संगठनों के साथ बैठको का आयोजन कर बच्चो एव किशोरों का जुडाव संगठनों से किया गया। जन संगठनों एवं सामुदायिक संगठनों के पहल से गावों में शिक्षा , स्वास्थ्य, यातायात सुविधायें प्राप्त हुयी। वही इस वर्ष में पंचायतों के चुनावों में समुदाायिक संगठनों द्वारा प्रतिनिधियों का चयन किया गया ।

आशा प्लस

विषम भौगोलिक परिस्थितियां, स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में बढोतरी तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अभाव, पितृ सत्तात्मक समाज की अवधारणा एवं लिंग विभेद जैसे ज्वलंत मुद्दों में सुधार लाने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत् उत्तराखण्ड राज्य सभी जनपदो के अतिरिक्त चार विकास खण्डों में महत्वकाक्षीं आशा प्लस परियोजना वर्ष 2007 में विशेष रूप से शुरू की। स्वास्थ्य में गुणात्मक सुधार लाने के लिए इस परियोजना को जनपद चमोली के विकास खण्ड कर्णप्रयाग में संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2008 में परियोजना ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, सम्पूर्ण टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, प्रसव पूर्व एवं उपरान्त जांच आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की। संस्था ने खासकर स्वच्छता, पोषण, शुद्व पेय जल, एड्स, जेण्डर विभेद जैसे मुद्दों पर परियोजना के अर्न्तगत जागरूकता अभियान चलाकर इन मुद्दो पर समुदाय को संवेदित करने का प्रयास किया।

http://www.SmartPDFCreator.com

उद्देश्य

- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में कमी लाना
- औसत आयु में वृद्वि
- संस्थागत प्रसव में बढ़ोतरी
- सकल प्रजनन दर में कमी लाना
- रोगों की रोकथाम तथा नियंत्रण
- सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं तक आम लोगो की पहुंच बनाना

उपलब्धियॉ–

- परियोजना शुरूआत से वर्तमान समय तक स्वास्थ्य मानकों में गुणात्मक सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए संस्थागत प्रसव 28 की अपेक्षा 57 प्रतिशत तक पहुॅच गया है।

- संस्थागत प्रसव, ए0एन0सी0 एवं पी0एन0सी0, परिवार नियोजन के प्रति लोगों को मोटिवेट तथा मोबिलाइज करने में परियोजना ने लगातार सफलता हासिल की है।
- आशा प्लस कार्यकत्रियों द्वारा समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति संवेदित किया गया फलस्वरूप समाज में उनका स्थान और स्वीकार्यता बन पायी है।
- परियोजना के अर्न्तगत 20 आशा कार्यकत्रियों को समुदाय के बीच उनके बेहतर संप्रेषण, संवाद तथा मोटिवेशन और उल्लेखनीय भागीदारी के लिए उत्कृष्ट प्रर्दशन पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

- नुक्कड़ नाटको के माध्यम से समुदाय को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी तथा स्वास्थ्य मुद्दो की जानकारी दी गई।
- स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, वाल पेंटिग एवं स्वास्थ्य जागरूकता आधारित पोस्टर वितरित किये गये।
- कभी गांवों में समुदाय द्वारा श्रमदान किया गया।
- राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कार्यक्रमों जैसे पल्स पोलियों अभियान में प्रतिभाग लिया गया।

http://www.SmartPDFCreator.com

जागृति

जागृति कार्यक्रम सर्वप्रथम वर्ष 2002 में संचालित किया गया। वर्ष 2002 से लेकर अब यह परियोजना का छटवां चरण संचालित किया जा रहा है। इससे पूर्व यह कार्यक्रम 25 गांवों में संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में कर्णप्रयाग विकास खण्ड़ के नौटी क्षेत्र के पांच गांवों (नैणी, कनोठ, छातोली, कल्याड़ी और बैनोली) में यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अर्न्तगत संगठन निर्माण के माध्यम से समुदाय को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। विभिन्न कार्यशालाओं प्रशिक्षणों और बैठकों एवं शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से समूह की समस्याओं वृह्द स्तरीय समस्याओं से जुडाव एवं प्रभाओं पर चर्चा की जा रही है। और वही समस्याओं के समाधान हेतु अवसरों और प्रयासों को भी तलाशा जा रहा है। शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से जीवन शैली में व्याकता लाना जानकारियों एवं सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा रहा है।

इस वर्ष के दौरान पांचों गांवों में 18 समूहो का निर्माण किया गया जिसमें कि बाल, किशौर, महिला एवं पुरूष समूह सम्मिलत है। विगत वर्षो में परियोजना क्षेत्र में किसी भी तरह के संगठन नही बनाये गये थे लेकिन परियोजना संचालित करने के पश्चात ग्रामवासियों ने संगठन के अर्थ एवं महत्व को समझा तथा समूह निर्माण में सहयोग किया। वर्तमान में संगठन निर्माण के साथ–साथ अन्य सार्वजनिक कार्यो में भी समुदाय की भागीदारी बढ़ी है तथा विकास कार्यो में सक्रिय भूमिका से अपनी शक्ति का परिचय दिया है साथ ही साथ समुदाय मे व्याप्त बुराइयों के लिए संगठनो द्वारा सभी लोग लामबन्द हुए है ।

उद्देश्यः

- ब्यक्ति और समूहों में विश्लेषण की क्षमता को जागृत कर उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करना।
- लोगों को संगठित कर सामाजिक आर्थिक उन्नति के लिए प्रेरित करना।
- ज्ञान एवं सूचना विकास के लिए सामाजिक समूहों की नेटवर्किगं।
- समुदाय को आत्मनिर्भर, बनाने के लिए शोषण व भेद–भाव रहित लोकतांत्रिक समाज बनाने के लिए संवेदित करना।
- समूहो की कार्यनीति और गतिविधियों में जेन्डरगत समानता के दृष्टिकोण को समाहित करने में मदद करना।
- उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का बेहतर उपयोग एवं समुदाय का शासन–प्रशासन के साथ समन्वयन हेतु वातावरण तैयार करना।

http://www.SmartPDFCreator.com

उपलब्धियॉः

- परियोजना क्षेत्र की पांचों गांवो की महिलाओं द्वारा शराबबन्दी के लिए एकजुट हुए और कुछ हद तक शराब पर पाबन्दी लगाने में सफल हुए।
- ग्राम छतोली में बन्द पड़ी बालवाडी कों दुबारा संचालित करवाया गया।
- अनपढ महिलाओं के लिए प्रोढ शिक्षा द्वारा साक्षर बनाने का सार्थक प्रयास किया गया।
- सभी गांवों में समुदाय द्वारा (बाल,महिला,किशौर) वृक्षा रोपण एवं अनदान का कार्य किया गया।

हिमालयी आजीविका सुधार परियोजना

माह अप्रैल 06में आजिविका परियोजना हिमाद समिति गोपेश्वर चमोली द्वारा आजीविका परियोजना का क्रियान्वयन क्षेत्र में शुरू किया गया जिसमें सर्वप्रथम अप्रैल प्रथम से आजीविका परियोजना के कार्यकर्ताओं ने कार्य शुरू किया। जिसमें सर्वप्रथम परियोजना क्षेत्र में चयनित गांवो का भ्रमण कर 18 गांवो का अन्तिम चयन किया गया।

साथ ही कार्यकर्ताओं के क्षमता विकास के लिए जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई चमोली एंव संस्था द्वारा कार्यकर्ताओं को विभिन्न प्रशिक्षण दिये गये जिससे कार्यकर्ताओं का क्षमता विकास हो ताकि वे क्षेत्र में जाकर परियोजना के उददेश्य को स्पष्ट कर सके एंव ग्रामीणो का परियोजना के उददेश्य के अनुसार कार्य करने के लिए प्रशिक्षित एंव प्रेरित कर सके।

कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्वि के साथ साथ विभिन्न गतिविधियों को भी संचालित किया गया जिसमें सर्वप्रथम सभी गांवो का सहभागी आर्थिक वर्गीकरण किया गया ताकि गांवो की स्थिति एंव गाव में प्रत्येक परिवार आर्थिक, सामाजिक स्थिति की पहचान हो सके एंव साथ ही परियोजना के उददेश्य को स्पष्ट करने के लिए वीडियो फिल्म उडना है हमें आसमां में का भी प्रर्दशन किया गया।

परियोजना क्षेत्र में महिला कार्यबोझ को कम करने के उददेश्य से नैपियर, गिन्नी घास का रोपण करवाया गया तथा वर्मी कम्पोस्ट पिटों का निर्माण करवाया गया साथ ही महिलाओं के कार्यबोझ में कमी करने एंव पुरूषों की सहभागिता को बढ़ाने के उददेश्य से कृर्षि यंत्रो धान थ्रेशर, मंडुवा थ्रेशर,ओसाई पंखे का प्रर्दशन किया गया ताकि महिलाओ का कार्यबोझ कम हो एंव साथ ही पुरूषो की सहभागिता बढ़े ।

http://www.SmartPDFCreator.com

प्रर्दशन गतिविधि के तौर पर गांव में उत्पादकता वृद्वि के लिए राजमा बीज वितरण, गेहू बीज का वितरण एंव सरसो बीज का वितरण किया गया साथ ही कायलर चूजो का वितरण भी किया गया जिसका अपेक्षित परिणाम सामने आये और ग्रामीणों का परियोजना के प्रति रूझान बढ़ा ।

विभिन्न प्रकार के अध्ययन वर्ष भर की अवधि में किये गये ताकि वास्तविक गरीब तक पहूंच बन सके और उसके सामाजिक सुरक्षा के प्रयास किये जा सके एंव साथ ही उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को भी चिहिन्त किया जा सके।

इसके उपरान्त परियोजना क्षेत्र के विभिन्न गतिविधियों से जुड़े लोगो को उनकी आवश्यकता के आधार पर विभिन्न गतिविधियों पर आधारित प्रशिक्षण दिये गये जिसमें मुख्य रूप से कृर्षि पर आधारित प्रशिक्षण एंव नई तकनीकी कृर्षि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया तथा उद्यान पर आधारित लोगो के लिए प्रशिक्षण कर पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया साथ ही बेमौसमी सब्जी उत्पादन के प्रशिक्षण एंव प्रदर्शन किये गये।

महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसका उददेश्य गाम्रीण महिलाओं को आज के परिपेक्ष में अपने अधिकारों एंव नई सूचनाओं को प्रदान किया जाना है। साथ ही महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति स्वतन्त्र एंव पूर्ण रूप सें कर सके। इसके लिए उन्हे विभिन्न मंचो के माध्यम से अवसर प्रदान करने के प्रयास किये गये साथ ही प्रतिभावान महिलाओं को सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में चिहिन्त कर प्रशिक्षित किया गया।

परियोजना क्षेत्र के सभी परिवारों को सामाजिक सुरक्षा को मददेनजर रखते हुए विभिन्न कैम्पों एंव व्यक्तिगत प्रयासों से सभी परिवारो को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रयास किये गये जिसमें रेखा विभागो एंव जिला प्रशासन का भी सहयोग लिया गया।

इन सभी गतिविधियों को कियान्वित करने के लिए समुदाय आधारित संगठनो का निर्माण किया गया जिसमें मुख्य रूप से स्वंय सहायता समूहों, महिला मंगलदल, वन पंचायत, युवक मंगलदल एंव किशोरी समूहो का गठन किया गया एंव इनके सशक्तिकरण के लिए विभिन्न प्रशिक्षणों एंव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

http://www.SmartPDFCreator.com

इसके साथ ही वर्ष 2007 से उत्तराखण्ड पर्वतीय आजीविका सवंर्धन कम्पनी (उपासक) द्वारा परियोजना द्वारा गठित स्वय सहायता समूहों के साथ ब्यापारिक गतिविधियों के सफल संचालन हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण परियोजना क्षेत्र में किये गये जिसमें मुख्य रूप से फसल चक्र परिवर्तन बेमौसमी सब्जियो का उत्पादन, क्रयलर पालन हेतु मदर यूनिट का निर्माण आदि।

वर्तमान में संस्था द्वारा परियोजना के तहत 82 स्वय सहायता समूहों का गठन 596 महिलाओ को समूहो में जोडा गया है। स्वंय सहायता समूहों के साथ समय समय पर प्रशिक्षण के साथ साथ समूहों का शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया जाता है। जिसमें समूह सदस्यों का पूर्ण क्षमता विकास हो सके।

इसके साथ ही साथ स्वंय सहायता समूह प्रतिमाह अपनी बैठके आयोजित करते है जिसमें अपनी बचत के साथ साथ आन्तरिक ऋण के साथ साथ समूह सी. सी. एल. पर चर्चा की जाती है। वर्तमान में जहां एक ओर 63 स्वंय सहायता समूहों में 256 समूह सदस्यों द्वारा 556563.00 रू. का आन्तरिक ऋण लिया गया है वही दूसरी ओर 21 स्वंय सहायता समूहो द्वारा 277000.00 रू. का सी. सी. एल. ऋण उपयोग कर अपनी आजीविका सुधार हेतु छोटे छोटे उद्यमो को स्थापित किया जा रहा है।

http://www.SmartPDFCreator.com

संगठन विकास

संस्था द्वारा इस वर्ष को सगठन विकास वर्ष के रूप में लिया गया जिसमें मुख्य रूप मुददों की पहचान, अंग्रेजी भाषा , कम्पूटर, पावर प्वाइट, इमेल लेखा विषयों में विभिन्न प्रशिक्षणों से क्षमता विकास की प्रक्रिया संचालित की गयी । साथ ही विभिन्न सामाजिक मुददों जिसमें जेण्डर, बाल अधिकार, सामाजिक पुरावृत्ति, समूह गठन , महिला अधिकार, नेतृत्व क्षमता, परिर्वतन, ओपन स्पैस पर प्रशिक्षण माडूल/पाठकम बनाने हेतु सभी साथियों को लक्ष्य दिये गयें। सगठन विकास की प्रक्रिया को सतत रखने के लिए प्रत्येक सदस्य व्यक्तिगत प्रयासों से आगे बढ़ाता रहेगा ।

विज्ञान प्रसार केन्द्र

उत्तराखण्ड में विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद के सहयोग से अलकनन्दा विज्ञान प्रसार के माध्यम से इस वर्ष बाल, किशोर सभाओं तथा महिला पुरूषों तथा अन्य सामुदायिक संगठनों के साथ कार्यकम आयोजित किये गये स्था जिसका मुख्य उद्देश्य विज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा करना समाज में अन्धविश्वासों को कम और नव चेतना के माध्यम से गांवों में लोगों के बीच विज्ञान का प्रचार प्रसार करना तथा वर्तमान समय में थिरपाक इण्टर कालेज मे एक बूँद में अधिक उपज विषय पर बच्चों द्वारा निबन्ध मांड्यूल व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सभी छात्र छात्राओं द्वारा उनके बनाये गये मॉड्यूलों व चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई दैनिक जीवन में जल की महत्व को बताया गया छात्रों के द्वारा निबन्ध भी प्राकृतिक संसाधन, पारम्परिक जल स्रोतो, जल प्रदूषण, जल एवं उर्जा जल का दैनिक जीवन में उपयोग विषयों को बताया गया।

उद्देश्य

- विज्ञान का प्रचार-प्रसार करना।
- गांव–गांव में विज्ञान की जानकारियॉ देना।
- प्रकृति एवं विज्ञान के महत्व को समझना।
- अन्धविश्वासों को मिटाना।

http://www.SmartPDFCreator.com

स्वंय सहायता समूह

स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत विकास खण्ड कर्णप्रयाग, देशोली एवं पोखरी में ग्राम्य जिला अभिकरण विभाग एवं विकास खण्डों के माध्यम से स्वय सहायता समूहों का गठन, कौशल विकास एवं क्षमता विकास विगत वर्षों की भाति किया गया। साथ ही निक्रिय समूहो का सक्रियकरण किया गया। संस्था द्वारा कुल 47 स्वय सहायता समूह जो मुख्यतः दुग्ध, सब्जी, उन, रिगाल, व्यवसाय का काम कर रहें है। इनमें से 24 समूह द्वितीय ग्रेंड पास हो कर वित्त पोषित हो चुकें है। तथा अन्य समूहो प्रथम ग्रेड पास कर रिवाल्विंग फड प्राप्त कर अपनी लेन –देन की प्रक्रिया में है। इसकी के साथ उत्तराचंल ग्रामीण स्वरोजगार मिशन योजना के तहत भी तीनों विकास खण्डों में 54 समूहों को सक्रिय करने का लक्ष्य संस्था को दिया गया है। जिसमें अभी तक समूहों की पहचान एवं समूह सदस्यों से सर्म्पक व समूह की स्थिति का अवलोकन किया जा रहा है।

अनुभव आदान– प्रदान

विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा सामूहिक रूप से सीखने–सीखाने व नेटवर्किंग कर अनुभव–आदान प्रदान की प्रक्रिया को सतत् रूप से चलाया जा रहा है। इसके अलावा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के साथ भी विभिन्न मुद्दों पर आयोजित प्रशिक्षणों में भागीदारी की गयी। इस में मुख्य रूप से क्राई दिल्ली द्वारा बाल अधिकारों पर क्षमता विकास, लेखा प्रबंधन, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा सामाजिक अध्ययन, आइडियोसिंन मीडिया कम्बाइन द्वारा कम्युनिटी रेडियों, एक्शनएड लखनउ द्वारा जन अधिकारों का संरक्षण, फोरसेंज लखनऊ द्वारा यंग चिल्ड्रन, उत्तराखण्ड परिर्वतन अभियान द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं, स्पैक्स एवं उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी परिषद द्वारा गढ़वाल के विज्ञान प्रसार केन्द्रों का सशक्तिकरण हयूमन ला नेटवर्क द्वारा मानवधिकार, जिला प्रशासन के विभिन्न प्रशिक्षणों में भाग लेकर अनुभव आदान–प्रदान की भावनाओं को विकसित करने का प्रयास किया गया।

http://www.SmartPDFCreator.com

प्रशासन एवं हिमाद

हिमाद द्वारा पिछले 10 वर्षो से संचालित गतिविधियों के सकारात्मक प्रभावों के परिणामस्वरूप आज हिमाद तमाम प्रशासनिक गतिविधियों में सलाहकार के रूप में भी सहयोग प्रदान कर रही है। इस क्रम में संस्था प्रमुखतः निम्न सलाहकार समितियों की सदस्य है।

- स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के क्रियान्वयन, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु जनपद चमोली की ऐंकर स्वंय सेवी संस्था।
- नेहरू युवा केन्द्र संगठन की जिला युवा सलाहकार समिति में सदस्य।
- गैर पारंपरिक उर्जा की जिला सलाहकार समिति के सदस्य।
- जिला रेड क्रास समिति के सदस्य।
- जनपद बाल कल्याण परिषद, चमोली के सदस्य।
- जिला आपदा प्रबन्धन कमेटी चमोली के सदस्य।

http://www.SmartPDFCreator.com